page-I

Mahila college, Valmiknagar (B.A. II (Hons) Group-A
Date - 22/02/2024 Deptt of Psychology Dr. Kusum K.

शोध समस्या का मूल्यांकन
Evaluation of a Research problem:-

जब शोधकर्ता किसी शोध समस्या का प्रतिपादन कर लेता है तो वह इस बात की भी जाँच कर लेने की कोशिश करता है वह शोध समस्या कहाँ तक उपयुक्त (Appropriate) एवं वैज्ञानिक है। इसका मूल्यांकन (Evaluation) करने के लिए वह कुछ प्रश्नों का उठाता है जिनका उत्तर सकारात्मक (Affirmative) मिलने पर वह समझ जाता है कि सम्बन्धित शोध-समस्या उपयुक्त है। ऐसे प्रमुख प्रश्न निम्नांकित है—

(i) क्या समस्या ऐसी है जिसे (Research) के द्वारा समाधान किया जा सकता है। दूसरे शब्दों में क्या समस्या ऐसी है जिसके बारे में संगत आँकड़े (Relevant data) संग्रहित किए जा सकते है और उनका उचित उत्तर दिया जा सकता है?

(ii) क्या समस्या सार्थक है? क्या समस्या में इतने चर (variable) सम्मिलित है जिसका अनुसंधान किया जा सकता है? क्या समस्या के समाधान से वर्तमान शैक्षिक, मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक सिद्धान्त में महत्वपूर्ण परिवर्तन आ सकता है।

(iii) क्या समस्या नयी है? अगर समस्या ऐसी है जिसका अनुसंधान पहले हो चुका है तो उस पर पुन: शोध करने से शोधकर्ता क्या

(3) समय एवं धन दोनों की ही बचत होगी। इसलिए समस्या को नया मौलिक (Original) होना चाहिए ताकि शोधकर्ता एक नए निष्कर्ष पर पहुँच सके।

(iv) क्या समस्या का कोई सैद्धान्तिक मान है? क्या समस्या ऐसी है जिससे क्षेत्र में उत्पन्न अज्ञानता की खाई भरी जा सकती है? क्या समाधान से किसी सिद्धान्त के विकास में मदद मिलेगी।

(v) क्या समस्या ऐसी है जिस पर शोध किया जा सकता है कोई समस्या अच्छी हो सकती है परन्तु यह शोध के उपयुक्त कई कारणों से जैसे शोधकर्ता में प्रशिक्षण की कमी, उसके पास समय तथा धन की कमी आदि से नहीं भी हो सकती है।

(vi) क्या समस्या ऐसी है जिसके बारे में महत्वपूर्ण आँकड़े तैयार किए जा सकते हैं? क्या इसके लिए अच्छे आँकड़े संकलन उपकरण (Data collecting instruments) प्राप्त है? आदि, आदि।

यदि उपर्युक्त प्रश्नों का उत्तर 'हाँ' में मिलता है, तो समझना चाहिए कि शोध समस्या उपर्युक्त (Appropriate) एवं वैज्ञानिक है। यदि उनका उत्तर 'नहीं' में मिलता है, तो वैसी समस्या एक अच्छी शोध समस्या नहीं मानी जाएगी।

× ——— × ——— ×